UNIVERSITY NEWS 19 MAY 2026

SWATANTRA BHARAT

लविवि : विरासतों पर आधारित छाया चित्र की लगी प्रदर्शनी

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासतों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. एस. एन. कपूर (पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय) ने किया। इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय द्वारा प्रदेश के विभिन्न स्थलों पर किए गए पुरातात्विक उत्खननों से प्राप्त पुरावशेषों एवं राज्य संरक्षित स्मारकों के छायाचित्रों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में लहुरादेवा उत्खनन स्थल, जाजमऊ उत्खनन स्थल, राजा नल का टीला, मल्हर उत्खनन स्थल सहित विभिन्न पुरातात्विक स्थलों तथा कर्दमेश्वर मंदिर, मेढक मंदिर एवं गंगोली शिवाला सहित अनेक राज्य संरक्षित स्मारकों के छायाचित्र प्रदर्शित किए गए। अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता डॉ. एस. एन. कपूर ने संग्रहालयों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संग्रहालय हमारी ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण तथा नई पीढ़ी को अतीत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने युवाओं से भारतीय संस्कृति एवं पुरातात्विक विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर निदेशक, पुरातत्व निदेशालय श्रीमती रेनू द्विवेदी ने संग्रहालयों की उपयोगिता पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि संग्रहालय केवल पुरावशेषों के संरक्षण का केंद्र नहीं हैं, बल्कि वे समाज को अपनी सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। उन्होंने कहा कि संग्रहालयों के भ्रमण से विद्यार्थियों एवं आमजन में इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व के प्रति जागरूकता एवं जिज्ञासा का विकास होता है। कार्यक्रम में प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव, प्रो. पीयूष भार्गव, प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रो अनित्य गौरव, प्रो उमेश सिंह, डॉ अखिलेश कुमार, डॉ आनन्द पांडेय, डॉ. रश्मि सिंह एवं डॉ गरिमा भारती सहित विश्वविद्यालय एवं पुरातत्व निदेशालय के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

VOICE OF LUCKNOW

हर विभाग में छात्रवृत्ति के लिए नोडल अधिकारी किया जायेगा नामित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन कक्ष में सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने की। इस बैठक में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नामित विधान परिषद एवं विधानसभा के सदस्य शामिल हुए। विशेष रूप से बंबा लाल (सदस्य, विधानसभा) तथा पवन सिंह चौहान (सदस्य, विधान परिषद) उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने सदस्यों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति और उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक साझेदारी को बढ़ावा देने के प्रयासों पर प्रकाश डाला, जिससे छात्रों और संकाय को वैश्विक स्तर पर अवसर प्राप्त हो सकें। बैठक का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय को आर्थिक दृष्टिकोण से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना तथा पूर्व में हुई बैठकों में लिए गए निर्णयों की समीक्षा करना था। समिति ने यह जानना चाहा कि विश्वविद्यालय नए पाठ्यक्रमों के लिए स्थान की व्यवस्था कैसे करेगा। इस पर कुलपति ने समय सारिणी प्रबंधन की व्यवस्था के बारे में बताया, जिससे उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जा सके। समिति को बताया कि इस वर्ष स्नातक, परास्नातक और डिप्लोमा स्तर पर प्रदेश सरकार और भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने बताया कि प्रत्येक विभाग में छात्रवृत्ति के लिए एक नोडल अधिकारी नामित किया जाएगा।

AMRIT VICHAR

विधान परिषद सदस्यों का स्वागत करते कुलपति प्रो. जेपी सैनी। ● अमृत विचार

लविवि कुलपति ने विधान परिषद सदस्य को दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन कक्ष में सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने की। इस बैठक में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नामित विधान परिषद एवं विधानसभा के सदस्य शामिल हुए। विशेष रूप से बंबा लाल (सदस्य, विधानसभा) तथा पवन सिंह चौहान (सदस्य, विधान परिषद) उपस्थित रहे। कुलपति ने सदस्यों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति और उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक साझेदारी को बढ़ावा देने के प्रयासों पर प्रकाश डाला, जिससे छात्रों और संकाय को वैश्विक स्तर पर अवसर प्राप्त हो सकें।

बैठक का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय को आर्थिक दृष्टिकोण से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना तथा पूर्व में हुई बैठकों में लिए गए निर्णयों की समीक्षा करना था। समिति ने यह जानना चाहा कि विश्वविद्यालय नए पाठ्यक्रमों के लिए स्थान की व्यवस्था कैसे करेगा। इस पर कुलपति ने समय सारिणी प्रबंधन की व्यवस्था के बारे में बताया, जिससे उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जा सके। समिति को बताया कि इस वर्ष स्नातक, परास्नातक और डिप्लोमा स्तर पर कुल 28 नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं पर भी चर्चा हुई।

AMRIT VICHAR

सामुदायिक विकास की जानकारी दी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के रोवर्स और रेंजर्स लीडर्स की ओर से रसायन विज्ञान विभाग में रोवर्स और रेंजर्स गतिविधियों के नेतृत्व विषयक बिगनर्स कोर्स का आयोजन हुआ। कार्यक्रम भारत स्काउट एवं गाइड, उत्तर प्रदेश के प्रादेशिक मुख्यालय तथा प्रादेशिक मुख्यायुक्त डॉ. प्रभात कुमार के नेतृत्व में हुआ। यहां भारत स्काउट एवं गाइड उत्तर प्रदेश के संयुक्त प्रादेशिक संगठन आयुक्त मयंक शर्मा ने कैंपिंग, साहसिक प्रशिक्षण, सामुदायिक विकास, कौशल विकास और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों को स्काउट-गाइड के मूल सिद्धांत, नियम, प्रतिज्ञा, आदर्श वाक्य और प्रगतिशील प्रशिक्षण योजना से अवगत कराते हुए सदस्यता ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। समन्वय डॉ. मनीषा शुक्ला एवं डॉ. नीरज मिश्रा ने किया।

AMRIT VICHAR

लाइब्रेरी साइंस के लिए आवेदन शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े इसाबेला थोबर्न कॉलेज ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। महाविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी सूचना के अनुसार प्रवेश आवेदन पत्र ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इच्छुक अभ्यर्थी कार्य दिवसों में सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक कॉलेज काउंटर से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। ऑफलाइन आवेदन पत्र एवं प्रॉस्पेक्टस की शुल्क राशि 900 रुपये निर्धारित की गई है। इसके अलावा अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था भी की गई है। विद्यार्थी कॉलेज की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे।

AMRIT VICHAR

बीसीए और बीकॉम में प्रवेश के लिए पात्रता तय

अमृत विचार, लखनऊ : लविवि ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बीसीए और बीकॉम एनईपी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता निर्धारित कर दी है। बीसीए में आवेदन करने के लिए इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा विज्ञान वर्ग या कंप्यूटर से संबंधित विषयों के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। कंप्यूटर या इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर एप्लीकेशन, इंफॉर्मेशन प्रैक्टिसेज, कंप्यूटर टेक्नोलॉजी एंड मेंटेनेंस, आईटीईएस, एआई या रोबोटिक्स जैसे विषयों में से कम से कम एक विषय होना अनिवार्य किया गया है।

NBT

एलयू व कॉलेजों में बनाए जाएंगे पीठासीन अधिकारी

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ:** जूलॉजी विभाग के मामले के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों में छात्राओं की सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए अहम फैसला लिया है। ऐसी घटना दोबारा न हो, इसके लिए एलयू से संबद्ध प्रत्येक महाविद्यालय में एक 'पीठासीन अधिकारी' की नियुक्ति की जाएगी। इसे विवि की ओर से सभी कॉलेजों के लिए अनिवार्य कर दिया गया है। छात्राओं की पहुंच आसान बनाने के लिए इन पीठासीन अधिकारियों के डेडिकेटेड वॉट्सऐप नंबर और आधिकारिक ई-मेल आईडी भी जारी की जाएगी। इन्हें परिसर के प्रमुख स्थानों, नोटिस बोर्डों, पुस्तकालयों और कॉमन रूम में प्रदर्शित किया जाएगा।

HINDUSTAN

बीसीए और बीकॉम एनईपी में पात्रता तय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बीसीए और बीकॉम एनईपी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता निर्धारित कर दी है। इस संबंध में प्रवेश प्रकोष्ठ की ओर से जारी अधिसूचना में दोनों पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग योग्यता मानक तय किए गए हैं। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर अनित्य गौरव ने बताया कि बीसीए पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी को इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा विज्ञान वर्ग या कंप्यूटर से संबंधित विषयों के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा।

DAINIK JAGRAN

अब किसी भी वर्ग वाले विद्यार्थी कर सकेंगे बीकाम

जासं ● **लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय ने बी.काम और बीसीए पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अर्हता में संशोधन कर दिया है। अब 12वीं में किसी भी वर्ग से पढ़ने वाले अभ्यर्थी बी.काम एनईपी में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। अभी तक 12वीं कामर्स या फिर इकोनामिक्स अथवा गणित से उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र माने जाते थे। इस व्यवस्था से बड़ी संख्या अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर अनित्य गौरव ने बताया कि बीसीए में अभी तक वही अभ्यर्थी आवेदन कर सकते थे जो 12वीं विज्ञान, कंप्यूटर, आइटी, कंप्यूटर अप्लीकेशन, इंफार्मेशन प्रैक्टिस, कंप्यूटर टेक्नोलाजी एंड मेनेटेनेंस, रोबोटिक्स में से किसी विषय से उत्तीर्ण किया हो। अब 12वीं में बायोलाजी वर्ग के अभ्यर्थी भी पात्र होंगे।

HINDUSTAN

साहसिक प्रशिक्षण, सामुदायिक विकास की जानकारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के रोवर्स और रेंजर्स लीडर्स की ओर से रविवार को रसायन विज्ञान विभाग में रोवर्स और रेंजर्स गतिविधियों के नेतृत्व विषयक बिगनर्स कोर्स का आयोजन हुआ। भारत स्काउट एवं गाइड प्रदेश के संयुक्त प्रादेशिक संगठन आयुक्त मयंक शर्मा ने कैंपिंग, साहसिक प्रशिक्षण, सामुदायिक विकास, कौशल विकास और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों की जानकारी दी।

AMAR UJALA

धरोहरों ने पढ़ाया इतिहास का पाठ

अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर पुरातात्विक धरोहरों की प्रदर्शनी और व्याख्यान

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। इतिहास और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर रविवार को राजधानी में प्रदेश की ऐतिहासिक और पुरातात्विक विरासतों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया। राज्य पुरातत्व निदेशालय और लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में लविवि परिसर में हुए कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने संग्रहालयों को अतीत और वर्तमान के बीच मजबूत सेतु बताया।

मुख्य अतिथि डॉ. एसएन कपूर ने कहा कि संग्रहालय केवल ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण जरिया भी हैं। उन्होंने युवाओं से भारतीय संस्कृति और पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण के प्रति संवेदनशील और जागरूक बनने की अपील की।

प्रदर्शनी का अवलोकन करतीं किशोरियां। स्रोत : आयोजक

■ 200 से अधिक विद्यार्थियों को हुलासखेड़ा उत्खनन स्थल का शैक्षिक भ्रमण भी कराया गया। इस दौरान छात्रों को उत्खनन प्रक्रिया, पुरातात्विक महत्व और वहां मिले अवशेषों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने निदेशालय की पिक्चर गैलरी का भी भ्रमण कर ऐतिहासिक धरोहरों को करीब से समझा।

राज्य पुरातत्व निदेशालय की निदेशक रेनू द्विवेदी ने कहा कि संग्रहालय समाज को अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत से परिचित कराने में अहम भूमिका निभाते हैं। संग्रहालयों के भ्रमण से विद्यार्थियों और आमजन में इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व के प्रति जिज्ञासा बढ़ती है।

प्रदर्शनी में प्रदेश के विभिन्न पुरातात्विक स्थलों और राज्य संरक्षित स्मारकों के दुर्लभ छायाचित्र प्रदर्शित किए गए। इनमें लहुरादेवा, जाजमऊ, राज नल का टीला और मल्हर उत्खनन स्थलों के साथ कर्दमेश्वर मंदिर, मेढक मंदिर और गंगोली शिवाला जैसे ऐतिहासिक स्मारक शामिल रहे। प्रदर्शनी के माध्यम से आगंतुकों को प्रदेश की समृद्ध पुरातात्विक विरासत से रूबरू होने का अवसर मिला।

DAINIK JAGRAN

लवि में रोवर्स और रेंजर्स के लिए बिगनर्स कोर्स

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के रोवर्स और रेंजर्स लीडर्स ने रसायन विज्ञान विभाग में रोवर्स और रेंजर्स गतिविधियों के लिए बिगनर्स कोर्स का आयोजन किया। भारत स्काउट और गाइड उप्र के संयुक्त प्रादेशिक संगठन आयुक्त मयंक शर्मा ने प्रमुख गतिविधियों जैसे कैंपिंग, प्रादेशिक प्रशिक्षण एवं एडवेंचर केंद्र शीतलाखेत में साहसिक कार्य, सामुदायिक विकास, कौशल विकास व अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने इन गतिविधियों के महत्व, मूल सिद्धांतों, उद्देश्य, नियम, प्रतिज्ञा, आदर्श वाक्य, प्रगतिशील प्रशिक्षण की योजना और भारत स्काउट और गाइड की सदस्यता के लिये भी प्रेरित किया। बैठक का समन्वय विश्वविद्यालय के समन्वयक डा. मनीषा शुक्ला और डा. नीरज मिश्रा ने किया।

हर विभाग में होंगे नोडल अधिकारी, बताएंगे योजनाओं का लाभ

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय हर विभाग में छात्रवृत्ति के लिए एक नोडल अधिकारी नामित करेगा, जो छात्र कल्याण के साथ समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करेंगे। यह जानकारी कुलपति प्रो जेपी सैनी ने मंथन हाल में आयोजित बैठक में दी। शासन की ओर से नामित विधानसभा सदस्य बंबा लाल और विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान उपस्थित रहे। सदस्यों ने पूछा कि विश्वविद्यालय नए पाठ्यक्रमों के लिए स्थान की व्यवस्था कैसे करेगा। कुलपति ने समय सारिणी प्रबंधन की व्यवस्था के बारे में बताया, जिससे उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जा सके। कहा कि इस वर्ष स्नातक, परास्नातक और डिप्लोमा स्तर पर कुल 28 नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जा रहे हैं। बैठक में विधि संकाय में क्लैट और एम.बी.ए. पाठ्यक्रम में कैट से प्रवेश की व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। यह भी सुझाव दिया गया कि छात्र-छात्राओं की पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने के लिए इसे शैक्षणिक कैलेंडर का हिस्सा बनाया जाए, ताकि वे डिजिटल चुनौतियों का सामना कर सकें। वि.

UNIVERSITY NEWS 19 MAY 2026

I NEXT

किसी भी वर्ग वाले कर सकेंगे बीकाम

LUCKNOW (18 May): एलयू ने बीकाम और बीसीए कोर्सों में प्रवेश के लिए अर्हता में संशोधन कर दिया है. अब 12वीं में किसी भी वर्ग से पढ़ने वाले अभ्यर्थी बीकाम एनईपी में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं. अभी तक 12वीं कामर्स या फिर इकोनामिक्स अथवा गणित से उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र माने जाते थे. इस व्यवस्था से बड़ी संख्या अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा.

AMAR UJALA

बीसीए और बीकॉम में प्रवेश पात्रता तय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बीसीए और बीकॉम एनईपी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्रता सोमवार को तय कर दी है। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव के मुताबिक बीसीए में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी को 12वीं या समकक्ष परीक्षा विज्ञान वर्ग या कंप्यूटर से संबंधित विषयों के साथ पास होना जरूरी है। साथ ही सामान्य और ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक और एससी-एसटी वर्ग के लिए 45 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं। वहीं बीकॉम एनईपी पाठ्यक्रम के लिए इंटरमीडिएट किसी भी विषय से उत्तीर्ण अभ्यर्थी प्रवेश के लिए पात्र होंगे। (संवाद)

लाइब्रेरी साइंस में आवेदन का मौका

लखनऊ। लविवि से जुड़े आईटी कॉलेज ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। कॉलेज प्रशासन के अनुसार, प्रवेश के लिए आवेदन पत्र ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कॉलेज प्रशासन ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी कार्य दिवसों में सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक कॉलेज काउंटर से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। ऑफलाइन व ऑनलाइन आवेदन पत्र का शुल्क राशि 900 रुपये है। प्रवेश के लिए स्नातक में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। (माई सिटी रिपोर्टर)

I NEXT

रोवर्स के लिए बिगनर्स कोर्स

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (18 May): लखनऊ यूनिवर्सिटी के रोवर्स और रेंजर्स लीडर्स ने रसायन विज्ञान विभाग में रोवर्स और रेंजर्स गतिविधियों के लिए बिगनर्स कोर्स का आयोजन किया. भारत स्काउट और गाइड उप्र के संयुक्त प्रादेशिक संगठन आयुक्त मयंक शर्मा ने प्रमुख गतिविधियों जैसे कैंपिंग, प्रादेशिक प्रशिक्षण एवं एडवेंचर केंद्र शीतलाखेत में साहसिक कार्य, सामुदायिक विकास, कौशल विकास व अंतरराष्ट्रीय,राष्ट्रीय गतिविधियों के बारे में बताया.

DAINIK JAGRAN

'संग्रहालय ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण का माध्यम'

लवि के एआइएच विभाग में लगी प्रदर्शनी में छायाचित्रों को देखते विद्यार्थी ● सौ लवि

लखनऊ : अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में राज्य पुरातत्व निदेशालय के सहयोग से उप्र की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासतों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया। एआइएच विभाग के प्रो. बी एन श्रीवास्तव पुरातत्व संग्रहालय में हुए कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व विभागाध्यक्ष डा. एस. एन. कपूर ने किया।

प्रदर्शनी में लहुरादेवा उत्खनन स्थल, जाजमऊ उत्खनन स्थल, राजा नल का टीला, मल्हार उत्खनन स्थल आदि पुरातात्विक स्थलों तथा कर्दमेश्वर मंदिर, मेढक मंदिर एवं गंगोली शिवाला सहित अनेक राज्य संरक्षित स्मारकों के छायाचित्र प्रदर्शित किए गए। मुख्य अतिथि ने कहा कि संग्रहालय हमारी ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण तथा नई पीढ़ी को अतीत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव, प्रो. पीयूष भार्गव, प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव सहित अन्य शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे। वि.